

19 अप्रैल 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

1. आंगनबाड़ियों के लिए गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम तैयार किया गया:
2. 'भारत में बिकने वाले नेस्ले बेबी फूड में चीनी की मात्रा अधिक होती है:

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. दक्षिण चीन सागर में भारत का सूक्ष्म दृष्टिकोण:

स्वास्थ्य:

1. यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: वह तकनीक जिसने टीबी देखभाल को बदल दिया

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. स्वदेश निर्मित क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण:
2. WHO ने उन रोगजनकों को परिभाषित किया जो हवा के माध्यम से संचारित होते हैं:
3. ज्वालामुखी फटने के बाद इंडोनेशिया में सुनामी का खतरा, हजारों लोगों को निकाला गया:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आंगनवाड़ियों के लिए गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम तैयार किया गया:

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: आंगनवाड़ियों में सुधार के लिए उठाए गए कदम।

प्रसंग:

- प्रारंभिक बचपन में प्रेरणा के लिए राष्ट्रीय प्रारूप 2024, जन्म से शुरू करके प्रारंभिक शिक्षा के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर देता है।
- जन्म से लेकर तीन साल तक के बच्चों के लिए, प्रारंभिक बचपन में प्रेरणा के लिए राष्ट्रीय प्रारूप 2024, का उद्देश्य बच्चों के इष्टतम विकास के लिए उत्तरदायी देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा के अवसरों के माध्यम से समग्र प्रारंभिक उत्तेजना के लिए देखभाल करने वालों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप, ढांचे में आंगनवाड़ियों में बच्चों के लिए डिज़ाइन किया गया एक गतिविधि-आधारित पाठ्यक्रम 'नवचेतन' पेश किया गया है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य शून्य से तीन वर्ष की आयु के बच्चों में निरंतर सीखने और समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

समस्याएँ:

- आंगनवाड़ियों में बच्चों के लिए संरचित प्रारंभिक सीखने के अवसरों का अभाव।
- प्रारंभिक बचपन के विकास के महत्व के संबंध में माता-पिता और देखभाल करने वालों के बीच सीमित जागरूकता।

- प्रारंभिक प्रोत्साहन गतिविधियों को प्रभावी ढंग से समर्थन देने के लिए आंगनवाड़ी कर्मचारियों के लिए अपर्याप्त प्रशिक्षण और संसाधन।

महत्व:

- मस्तिष्क का 75% विकास जीवन के पहले तीन वर्षों में होता है।
- संज्ञानात्मक, भाषा और मोटर कौशल (motor skills) के पोषण के लिए प्रारंभिक उत्तेजना गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं।
- (मोटर कौशल (motor skills) - मोटर कौशल एक ऐसा कार्य है जिसमें किसी निश्चित कार्य को करने के लिए शरीर की मांसपेशियों की विशेष गतिविधियां शामिल होती हैं।)
- विकासात्मक देरी की शीघ्र पहचान करने से समय पर हस्तक्षेप और सहायता मिल सकती है।

उठाए गए कदम:

- गतिविधि-आधारित पाठ्यक्रम: 'नवचेतना' विकासात्मक मील के पत्थर हासिल करने के लिए बात करने, खेलने, चलने और संवेदी उत्तेजना पर केंद्रित है।
- आंगनवाड़ी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण: 14 लाख आंगनबाड़ियों में कर्मचारियों को पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त होगा।
- माता-पिता और देखभाल करने वालों की भागीदारी: माता-पिता को फ्रेमवर्क दस्तावेज़ में उल्लिखित गतिविधियों में बच्चों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- घरेलू वस्तुओं का उपयोग: गतिविधियाँ सीखने और खेल को बढ़ावा देने के लिए आसानी से उपलब्ध घरेलू वस्तुओं का उपयोग करती हैं।
- विकास संबंधी देरी की प्रारंभिक पहचान: पाठ्यक्रम में विकासात्मक देरी को तुरंत पहचानने और उसका समाधान करने की रणनीतियाँ शामिल हैं।

सारांश:

- प्रारंभिक बचपन में प्रेरणा के लिए राष्ट्रीय प्रारूप 2024, का कार्यान्वयन आंगनबाड़ियों में बच्चों के लिए इष्टतम विकास सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रारंभिक सीखने के सिद्धांतों को दैनिक गतिविधियों में एकीकृत करके, इस पहल में छोटे बच्चों के संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक कल्याण पर सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता है। सरकारी एजेंसियों, शिक्षकों, देखभाल करने वालों और नागरिक समाज संगठनों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, हम एक ऐसा पोषण वातावरण बना सकते हैं जो आजीवन सीखने और सफलता की नींव रखता है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

'भारत में बिकने वाले नेस्ले बेबी फूड में चीनी की मात्रा अधिक होती हैः'

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: भारत में व्यावसायिक शिशु आहार के मुद्दे।

प्रसंग:

- एक स्विस एनजीओ, द पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएन) की एक हालिया रिपोर्ट ने यूरोपीय बाजारों में बेचे जाने वाले उत्पादों की तुलना में भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बेचे जाने वाले नेस्ले बेबी फूड उत्पादों में उच्च चीनी सामग्री के बारे में चिंता जताई है।
- चीनी सामग्री में विसंगति ने नियामक मानकों, पोषण गुणवत्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य निहितार्थों पर चर्चा शुरू कर दी है।

समस्याएँ:

- चीनी सामग्री में विसंगति: तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अतिरिक्त चीनी के खिलाफ सिफारिशों के बावजूद, भारत में बेचे जाने वाले नेस्ले बेबी फूड उत्पादों में यूरोपीय बाजारों में बेचे जाने वाले उत्पादों की तुलना में अतिरिक्त शर्करा का स्तर अधिक होता है।
- विनियामक मानक: भारतीय नियामक शिशु आहार में सुक्रोज और फ्रुक्टोज की सीमित मात्रा की अनुमति देते हैं, जिससे वैश्विक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के साथ नियामक मानकों के संरेखण पर सवाल उठते हैं।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ: जैसा कि विशेषज्ञों ने प्रकाश डाला है, शिशु आहार में अतिरिक्त शर्करा की शुरूआत खाने की लत की आदतों के विकास में योगदान कर सकती है और गैर-संचारी रोगों के खतरे को बढ़ा सकती है।

महत्व:

- पोषण गुणवत्ता: यह बहस शिशु और छोटे बच्चों के पोषण संबंधी प्रथाओं की पोषण संबंधी पर्याप्तता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करती है।
- जन जागरण: बचपन के स्वास्थ्य पर अतिरिक्त शर्करा के प्रभाव के बारे में जागरूकता और कड़े नियामक निरीक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।
- वैश्विक स्वास्थ्य मानक: विभिन्न बाजारों में उत्पाद निर्माण में विसंगतियां वैश्विक स्वास्थ्य मानकों और कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के पालन के बारे में चिंताएँ बढ़ाती हैं।

समाधान:

- नियामक समीक्षा: भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण से आईबीएफएन रिपोर्ट की समीक्षा करने और शिशु आहार में अतिरिक्त शर्करा पर डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के साथ नियामक मानकों को संरेखित करने पर विचार करने का आग्रह किया गया है।

- कॉर्पोरेट जवाबदेही: पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए, अपने उत्पादों में अतिरिक्त शर्करा को कम करने की नेस्ले की प्रतिबद्धता की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए।
- सार्वजनिक शिक्षा: माता-पिता और देखभाल करने वालों को सशक्त बनाने के लिए अतिरिक्त शर्करा से बचने सहित उचित शिशु आहार प्रथाओं पर जागरूकता अभियान तेज किया जाना चाहिए।
- हितधारक जुड़ाव: चुनौतियों का समाधान करने और इष्टम शिशु पोषण को बढ़ावा देने के लिए सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज संगठनों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और खाद्य उद्योग के बीच सहयोग आवश्यक है।

सारांश:

- आईबीएफएन रिपोर्ट के निष्कर्ष भारत और अन्य क्षेत्रों में शिशु खाद्य उत्पादों की पोषण गुणवत्ता और नियामक निरीक्षण के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाते हैं। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए नियामक सुधारों, कॉर्पोरेट जवाबदेही, सार्वजनिक शिक्षा और हितधारक सहयोग को शामिल करते हुए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

संपादकीय-द हिन्दू**संपादकीय:**

दक्षिण चीन सागर में भारत का सूक्ष्म दृष्टिकोण:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह और भारत से जुड़े और/ या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

मुख्य परीक्षा: दक्षिण चीन सागर विवाद और भारत का रुख।

विवरण:

- प्रारंभ में, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में भारत की भागीदारी मुख्य रूप से आर्थिक थी, जो पूर्व की ओर देखो नीति से प्रेरित थी।
- ओएनजीसी विदेश (ONGC Videsh) जैसे भारत के स्वामित्व वाले उद्यमों ने वियतनाम के ईईजेड में तेल और गैस अन्वेषण परियोजनाओं में भाग लिया, जो भारत के आर्थिक हितों और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के लिए समर्थन को दर्शाता है।

एक्ट ईस्ट नीति में बदलाव:

- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रशासन के तहत, भारत लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट पॉलिसी में परिवर्तित हो गया।
- यह बदलाव आर्थिक एकीकरण, रणनीतिक साझेदारी और सुरक्षा सहयोग पर जोर देते हुए भारत-प्रशांत क्षेत्र के साथ अधिक रणनीतिक और सक्रिय जुड़ाव की दिशा में एक कदम का प्रतीक है।

चीन के साथ जटिल संबंध:

- दक्षिण चीन सागर में भारत का बदलता रुख चीन के साथ उसके जटिल संबंधों से जुड़ा हुआ है।
- वर्ष 2020 की गलवान घाटी घटना के बाद से सीमा विवाद तेज हो गए हैं, जिससे समय-समय पर घुसपैठ और क्षेत्रीय तनाव पैदा हुआ है।
- दक्षिण चीन सागर में भारत की रणनीतिक गतिविधियां और नौसैनिक अभ्यास क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और चीन की आक्रामक मुद्रा की प्रतिक्रिया दोनों के रूप में काम करते हैं।

क्षेत्रीय महत्व और आसियान कारक की पहचान:

- भारत क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक समुद्री व्यवस्था के लिए दक्षिण चीन सागर के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानता है।

- चीन और आसियान देशों से जुड़े विवादों का असर नेविगेशन की स्वतंत्रता पर पड़ता है, जो भारत के व्यापार और ऊर्जा परिवहन मार्गों के लिए महत्वपूर्ण है।
- भारत क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालने वाली एकतरफा कार्रवाइयों को चुनौती देने और चीन के विस्तृत क्षेत्रीय दावों का मुकाबला करने के लिए यूएनसीएलओएस पर जोर देते हुए नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यवस्था की वकालत करता है।
- क्षेत्रीय समूह के भीतर आंतरिक मतभेदों के बावजूद, भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति में आसियान की केंद्रीय भूमिका के लिए आसियान पदों के लिए समर्थन की आवश्यकता है।

सारांश:

- दक्षिण चीन सागर पर भारत का रुख आर्थिक भागीदारी से रणनीतिक भागीदारी तक विकसित हुआ है, जो लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट पॉलिसी में बदलाव को दर्शाता है। चीन के साथ जटिल संबंधों से प्रेरित यह बदलाव क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: वह तकनीक जिसने टीबी देखभाल को बदल दिया

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

स्वास्थ्य:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (Randomised control trials)।

एंटीबायोटिक से पहले ऐतिहासिक संदर्भ और टीबी का इलाज़:

- 1936 में तपेदिक के साथ कमला नेहरू की लड़ाई ने इस बीमारी की अंधाधुंध प्रकृति को उजागर किया, जो विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को भी प्रभावित करती थी।

- एंटीबायोटिक दवाओं से पहले, टीबी का उपचार मुख्य रूप से सेनेटोरियम में उपशामक देखभाल या लोबेक्टोमी, कृत्रिम न्यूमोथोरैक्स और न्यूमोनेक्टॉमी जैसी सर्जिकल प्रक्रियाओं पर केंद्रित था।
- इन उपचारों को सीमित सफलता मिली, जिससे अधिक प्रभावी चिकित्सीय विकल्पों की आवश्यकता उत्पन्न हुई।

एंटीबायोटिक्स का उद्भव और सर ऑस्टिन ब्रैडफोर्ड हिल का योगदान:

- सर अलेक्जेंडर फ्लैमिंग की एंटीबायोटिक दवाओं की खोज ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण प्रगति को चिह्नित किया।
- ब्रिटिश मेडिकल रिसर्च काउंसिल (बीएमआरसी) में यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (आरसीटी) तकनीक के विकास सहित चिकित्सा सांख्यिकी में सर ऑस्टिन ब्रैडफोर्ड हिल के अग्रणी कार्य ने टीबी उपचार में क्रांति ला दी।
- हिल के आरसीटी स्ट्रेटोमाइसिन के परीक्षण में सहायक थे, जो टीबी के खिलाफ पहला प्रभावी एंटीबायोटिक था, और इष्टम खुराक स्थापित करने में सहायक था।
- नैदानिक परीक्षणों के लिए उनके नैतिक दिशानिर्देश चिकित्सा में वैज्ञानिक अखंडता के लिए नए मानक स्थापित करते हैं।

हिल की विरासत और आधुनिक चिकित्सा में योगदान:

- हिल द्वारा आरसीटी के उपयोग ने आधुनिक चिकित्सा को आकार देने, विभिन्न चिकित्सा उपचारों और हस्तक्षेपों की प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए आधार तैयार किया हैं।
- उनके उपनाम 'ब्रैडफोर्ड हिल क्राइटेरिया' ने महामारी विज्ञान को प्रभावित करने वाले विशिष्ट कारकों और स्वास्थ्य प्रभावों के बीच कारण संबंध स्थापित करने के लिए एक मजबूत रूपरेखा प्रदान की।
- टीबी से परे, हिल के शोध ने धूम्रपान के जोखिमों को समझने और शराब के सेवन और हृदय रोगों जैसे कारकों के बीच कारण संबंध स्थापित करने में योगदान दिया।

- उनकी विरासत दुनिया भर के शोधकर्ताओं को प्रेरित करती रहती है क्योंकि वे तपेदिक और उससे आगे जैसी वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने का प्रयास करते हैं।

सारांश:

- सर ऑस्टिन ब्रैडफोर्ड हिल के यादचिक नियंत्रण परीक्षणों के अग्रणी उपयोग ने तपेदिक उपचार को बदल दिया, जो चिकित्सा इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था। उनका योगदान टीबी से परे, आधुनिक महामारी विज्ञान को आकार देने और दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को प्रभावित करने तक फैला हुआ है।

प्रीलिम्स तथ्य:**1. स्वदेश निर्मित क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण:****प्रसंग:**

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने हाल ही में ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में लंबी दूरी की सबसोनिक स्वदेशी रूप से विकसित क्रूज मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है।
- मिसाइल ने वेपॉइंट नेविगेशन और बहुत कम ऊंचाई वाली समुद्री-स्क्रिमिंग उड़ान का प्रदर्शन किया, जिसमें सभी उपप्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया।
- हालाँकि मिसाइल के विशिष्ट विवरण का खुलासा नहीं किया गया था, लेकिन इसकी निर्भय सबसोनिक क्रूज मिसाइल से समानता देखी गई है।

महत्व:

- तकनीकी उन्नति: यह सफल परीक्षण स्वदेशी मिसाइल विकास में भारत की बढ़ती क्षमताओं को रेखांकित करता है, जो देश के रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- परिचालन क्षमता: क्रूज़ मिसाइलें अपनी सटीकता, सीमा और दुर्मन की रक्षा से बचने की क्षमता के कारण आधुनिक युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सफल परीक्षण भारत की परिचालन तत्परता और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।
- आत्मनिर्भरता: स्वदेशी रूप से विकसित क्रूज़ मिसाइलें विदेशी आयात पर निर्भरता को कम करती हैं, रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करती हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाती हैं।

2. WHO ने उन रोगजनकों को परिभाषित किया जो हवा के माध्यम से संचारित होते हैं:

प्रसंग:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हवा के माध्यम से फैलने वाले रोगजनकों का वर्णन करने के लिए "संक्रामक श्वसन कण" ("infectious respiratory particles" (IRPs)) शब्द की शुरुआत की है।
- वर्ष 2021 से 2023 तक व्यापक परामर्श के बाद, डब्ल्यूएचओ ने संचार प्रयासों को सुव्यवस्थित करने और वायुजनित रोगजनकों के संचरण पर अंकुश लगाने के उपायों को बढ़ाने के लिए इस पहल की घोषणा की है।

समस्याएँ:

- सामान्य शब्दावली का अभाव: आईआरपी की शुरुआत से पहले, हवा के माध्यम से प्रसारित रोगजनकों का वर्णन करने के लिए मानकीकृत शब्दावली का अभाव था, जिससे सार्वजनिक संचार में भ्रम और असंगति पैदा होती थी।
- महामारी प्रतिक्रिया में चुनौतियाँ: एक एकीकृत शब्द की अनुपस्थिति ने सीओवीआईडी -19 जैसी संक्रामक बीमारियों से निपटने के वैशिक प्रयासों में बाधा उत्पन्न की, क्योंकि विभिन्न शब्दावली ने संचार रणनीतियों और प्रतिक्रिया उपायों को जटिल बना दिया।

- सार्वजनिक स्वास्थ्य संचार: विभिन्न हितधारकों द्वारा उपयोग की जाने वाली विभिन्न शब्दावली ने जनता के बीच भ्रम पैदा किया, जिससे ट्रांसमिशन गतिशीलता और निवारक उपायों की उनकी समझ प्रभावित हुई।

महत्व:

- संचार में स्पष्टता: आईआरपी की शुरूआत हवा के माध्यम से प्रसारित रोगजनकों का वर्णन करने में स्पष्टता और स्थिरता प्रदान करती है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों, नीति निर्माताओं और जनता के बीच प्रभावी संचार की सुविधा मिलती है।
- उत्तर प्रतिक्रिया उपाय: मानकीकृत शब्दावली लक्षित हस्तक्षेपों और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों के विकास सहित अधिक सुसंगत और समन्वित प्रतिक्रिया प्रयासों को सक्षम बनाती है।
- वैशिक सहयोग: एक सामान्य शब्दावली देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देती है, जिससे वायुजनित रोगजनक संचरण को संबोधित करने के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत किया जाता है।

3. ज्वालामुखी फटने के बाद इंडोनेशिया में सुनामी का खतरा, हजारों लोगों को निकाला गया:**प्रसंग:**

- इंडोनेशिया को 18 अप्रैल को एक ज्वालामुखी संकट का सामना करना पड़ा क्योंकि वहाँ माउंट रुआंग में कई बार ज्वालामुखी विस्फोट हुआ, जिससे लोगों को वह स्थान खाली करना पड़ा और इस विस्पोट के साथ ही वहाँ संभावित सुनामी के खतरे के बारे में भी चिंता बढ़ गई हैं।
- लावा के प्रवाह और राख के स्तंभों की विशेषता वाले विस्फोट ने अधिकारियों को पास के हवाई अड्डे को बंद करने और प्रभावित क्षेत्रों में निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन उपाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया हैं।

समस्याएँ:

- **ज्वालामुखी का विस्फोट:** माउंट रुअंग से पांच बार ज्वालामुखी फटा हैं, जिससे लावा और राख निकला जिसकी वजह से आस-पास के समुदायों और बुनियादी ढांचे के लिए तत्काल खतरा पैदा हो गया है।
- **सुनामी का खतरा:** अधिकारियों ने ज्वालामुखी का मलबा गिरने से सुनामी आने की आशंका के बारे में चेतावनी जारी की है, जिससे निकासी के प्रयासों में तेजी लाई गई है।
- **निकासी चुनौतियाँ:** दूरदराज के द्वीपों सहित प्रभावित क्षेत्रों से हजारों निवासियों को निकालने से खतरनाक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बीच तार्किक चुनौतियां सामने आईं।
- **भूकंपीय भेद्यता:** इंडोनेशिया के स्थान पर, प्रशांत "रिंग ऑफ फायर" स्थिति को लगातार भूकंपीय और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिए अत्यंत संवेदनशील बनाता है, जिससे इस प्रकार की आपात स्थितियों के लिए तैयारी की आवश्यकता होती है।
- **मानवीय संकट:** माउंट रुअंग के विस्फोट और संबंधित सुनामी के खतरे ने एक मानवीय संकट पैदा कर दिया, जिससे जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया उपायों की आवश्यकता हुई।
- **आपदा तैयारी:** यह घटना इंडोनेशिया जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए मजबूत आपदा तैयारियों और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के महत्व को रेखांकित करती है।
- **सामुदायिक लचीलापन:** ज्वालामुखी विस्फोट और सुनामी के बाद हताहतों की संख्या को कम करने और पुनर्प्राप्ति की सुविधा के लिए प्रभावी निकासी प्रक्रियाएं और सामुदायिक लचीलापन प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. दक्षिण चीन सागर विवाद में निम्नलिखित में से कौन सा देश शामिल है?

1. चीन
2. वियतनाम
3. इंडोनेशिया

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) उपरोक्त में से कोई नहीं
- (d) सभी तीन

उत्तर: b

व्याख्या:

- दक्षिण चीन सागर विवाद में चीन, ब्रुनेई, ताइवान, फ़िलीपींस, वियतनाम और मलेशिया शामिल हैं और ये भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थित हैं।

प्रश्न 2. क्षय रोग (टीबी) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होता है।
2. यह एक संक्रामक रोग है।

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

प्रश्न 3. बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. एक क्रूज मिसाइल को एक नेविगेशन प्रणाली का उपयोग करके एक पूर्व निर्धारित भूमि-आधारित लक्ष्य की ओर निर्देशित किया जाता है।
2. क्रूज मिसाइलों को सीधे पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परतों में प्रक्षेपित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: a

व्याख्या:

- बैलिस्टिक मिसाइलों को सीधे पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परतों में लॉच किया जाता है।

प्रश्न 4. हाल ही में समाचारों में 'संक्रामक श्वसन कण' या आईआरपी शब्द का सबसे अच्छा वर्णन इस प्रकार किया गया है:

- (a) रोगजनक जो हवा के माध्यम से संचारित होते हैं
- (b) रोगजनक जो पानी के माध्यम से संचारित होते हैं
- (c) कण जो एरोसोल और बूदों के माध्यम से संचारित होते हैं
- (d) कण जो अंतरिक्ष में संचारित होते हैं

उत्तर: a

व्याख्या:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हवा के माध्यम से संचारित होने वाले रोगजनकों को 'संक्रामक श्वसन कण' या आईआरपी शब्द से वर्णित किया जाएगा।

प्रश्न 5. ज्वालामुखियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अधिकांश ज्वालामुखीय गतिविधियाँ और भूकंप अभिसरण प्लेट मार्जिन (किनारे) पर होते हैं।
2. रिंग ऑफ फायर प्रशांत महासागर के किनारे एक मार्ग है जिसमें सक्रिय ज्वालामुखी और बार-बार भूकंप आते रहते हैं।

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. दक्षिण चीन सागर में भारत की विकसित होती नीति के रणनीतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। साथ ही यह भी विश्लेषण करें कि यह बदलाव भारत की एकट ईस्ट नीति और भारत-प्रशांत क्षेत्र में इसके व्यापक लक्ष्यों के साथ किस प्रकार मेल खाता है। (150 शब्द, 10 अंक) (सामान्य अध्ययन - II, अंतर्राष्ट्रीय संबंध) (*Discuss the strategic implications of India's evolving policy in the South China Sea. Analyze how this shift aligns with India's Act East Policy and its broader goals in the Indo-Pacific region. (10 marks, 150 words) [GS-2, International Relations]*)

प्रश्न 2. जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों की संज्ञानात्मक और संवेदी विकास आवश्यकताओं को संबोधित करने में प्रारंभिक बचपन उत्तेजना के राष्ट्रीय ढांचे, 2024 की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिए। चर्चा कीजिए कि भारत में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संदर्भों में इस ढांचे के कार्यान्वयन में चुनौतियों का सामना किस प्रकार करना पड़ सकता है और उन्हें दूर करने के उपाय सुझाएं। (250 शब्द, 15 अंक) (सामान्य अध्ययन - II, सामाजिक न्याय) (*Evaluate the effectiveness of the*

National Framework of Early Childhood Stimulation, 2024, in addressing the cognitive and sensory development needs of children from birth to three years. Discuss how the implementation of this framework across various socio-economic contexts in India might face challenges and suggest measures to overcome them. (15 marks, 250 words)
[GS-2, Social Justice])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

